श्री समुद्रदत्त चरित्र

रचयिता.

श्री १०८ आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज

★

प्रकाशक:—

समस्त दिगम्बर बैसवाल जैन समाज

अजमेर (राज०)